RNI UPMUL06620/24/1/2014-TC
ISSN 2394-4366
Vol. 9, Issue 33, January - March, 2021

ABHINAV GAVESHNA

(Multi Disciplinary Quarterly International Peer Reviewed Research Journal)

An International Peer Reviewed Research Journal of Humanities
Arts, Literature, Culture, Commerce & Social Science

Chief Editor :
Dr. Gayatri Singh

Editor
Dr. Gyan Prabha [illegible]

अभिनव गवेषणा

[illegible]

[illegible] 2021

ISSN : 2394-4366

Received: 10 Oct., 2020; Accepted: 18 Oct.-2020, Published: January-March, 2021 Issue

वैश्विक शान्ति और मूल्य शिक्षा : वर्तमान समाज की महती आवश्यकता

— प्रिया तिवारी
असि. प्रोफेसर — बी. एड. विभाग,
महिला महाविद्यालय, किदवई नगर,
कानपुर—208011 (उत्तर प्रदेश)

ई—मेल :
priya.tewariknp@gmail.com

"अयं निजः परोवेति, इति गणना लघु चेतसाम्।
उदार चरितानाम् तु, वसुधैव कुटुम्बकम्॥"

भारतीय मनीषियों ने हजारों वर्ष पूर्व इस उद्गार को विश्व के कल्याणार्थ दिया था। भारतीय मनीषियों के हृदय से फूटकर प्रवाहित होने वाली विश्वबन्धुत्व की अजस्र स्रोतस्विनी स्थानीय तथा राष्ट्रीय घेरों को तोड़कर समस्त विश्व में प्रवाहित होती थी। इन मनीषियों ने स्थानीय निम्न आदर्शों के स्थान पर विश्वव्यापी उदात्त आदर्शों को अपनाया था। समग्र वसुधा के मानव के साथ उन्होंने बन्धुता का नाता जोड़ा था।

आज विश्व पथभ्रष्ट सा, दिग्भ्रमित सा अपने राष्ट्रीय घेरे में आबद्ध है। "मेरा राष्ट्र, मेरा देश, मेरा धर्म, मेरा सम्प्रदाय सबसे श्रेष्ठ" का विनाशक नारा भूमण्डल पर लगाने वाली जनता और राजनेता दो विश्वयुद्ध और [illegible] युद्धों से आगे और विश्व की कमर तोड़ चुके हैं। महायुद्धों और आतंकवाद की विभीषिका का मूल कारण संकुचित मनोवृत्ति की राष्ट्रीयता ही रही है। यदि राष्ट्रीयता के चश्मे से विश्व को देखा जाता है तो पूरा विश्व [illegible] नजर आता है। [illegible] से भरी नजर आती है। विश्व शान्ति के लिए आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीयता को अन्तर्राष्ट्रीयता पर कुर्बान कर दें, दोनों के बीच मधुर सम्बन्ध स्थापित कर दें, दोनों को एक दूसरे की [illegible] बना दें। दोनों में [illegible] का सम्बन्ध [illegible] इस वैश्विक शान्ति के लिए एकमात्र अमोघ अस्त्र "मूल्य शिक्षा" ही है। [illegible] "मूल्यपरक शिक्षा ही हमें उन समस्त दुर्गुणों से [illegible]" इसीलिए शिक्षा को [illegible] बना सकती है, [illegible] अन्यथा विश्वशान्ति [illegible] नजर आयेगी। मूल्य शिक्षा ही [illegible] की पूर्ति करा सकती है। [illegible] एवं प्रगतिशील [illegible] मूल्यपरक शिक्षा ही है किन्तु [illegible] हो चुकी है।

[illegible] है कि [illegible] में टिक रहा।

"[illegible] नहीं है, [illegible] नहीं।"

[illegible] शिक्षा [illegible]

[illegible]